आओ चलें सम्पूरणता की ओर

❍ 27 / 11 / 14 की मुरली से चार्ट ❍

⇛ TOTAL MARKS:- 100 ⇚

✺ शिवभगवानुवाच :-

➳ _ ➳ रोज रात को सोने से पहले बापदादा को पोतामेल सच्ची दिल का दे दिया तो धरमराजपुरी में जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी ।

∬1∬ स्वमान का अभ्यास (Marks:-10)

➢➢ **मैं मास्टर मुक्ति-जीवनमुक्ति दाता हूँ ।**

∬2∬ गुण / धारणा पर अटेंशन (Marks:-10)

➢➢ **सदा अलर्ट रह सर्व की आशाओं को पूरण करना**

∬3∬ बाबा से संबंध का अनुभव(Marks:-10)

➢➢ **टीचर**

∬4∬ होमवर्क (Marks:- 7*5=35)

‖✓‖ बाप से °सच्चे° बनकर रहे ?

‖✓‖ बहुत बहुत °आज्ञाकारी° , मीठा होकर चले ?

‖✓‖ माया की बॉक्सिंग में बहुत-बहुत °खबरदार° रहे ?

‖✓‖ "अपने शक्तिशाली वाइब्रेशन से °प्रकृति और मनुशयात्माओं की वृति को चेंज° किया ?

‖✓‖ अपने वचनों(वाक्यों) में ताकत भरने के लिए °आतम-अभिमानी° रहने का अभ्यास किया ?

‖✓‖ "°बाप का सिखलाया° हुआ हम सिखा रहे हैं"- यह स्मृति में रख अपनी वाचा में जोहर भरा ?

‖✓‖ "मुरलीधर की मुरली पर देह की भी सुध-बुध भूल °सच्चे गोप-गोपियाँ° बनकर रहे ?

✺ अव्यक्त बापदादा (05/11/2014) :-

➳ _ ➳ ऐसा भी समय आयेगा जो आपके सामने आने से आपका दिव्य स्वरूप देखने में आवे, साकार साधारण स्वरूप गायब हो जाए । जैसे बापदादा के सामने आते हो तो बापदादा जैसा समय उस रूप में देखते हो ऐसे ही आप सभी भी ऐसे दिखाई देंगे । साधारण नहीं दिखाई देंगे, साधारण रूप में देवता रूप में या देवी के रूप में दिखाई देंगे । अभी भी कोई-कोई बच्चों से यह प्रैक्टिकल भासना आती है लेकिन सभी ऐसी स्टेज में पहुंच ही जायेंगे ।

∬5∬ विशेष अभ्यास (Marks:-15)

➢➢ आज पूरा दिन अपने °दिव्य स्वरुप की स्मृति° बनी रही ?

∬6∬ ज्ञान मंथन (वरदान) (Marks:-10)

➢➢ सदा अलर्ट रहने से हम किस तरह से सर्व की आशाओं को पूर्ण कर पाते हैं ?

❋ सदा अलर्ट रहने से ही हम हर पल सर्व के सहयोगी बन पाते हैं ।

❋ हम सदैव विश्व कल्याणकारी की स्टेज पर सेट रहते हैं ।

❋ सदा अलर्ट रहने से हम सदा हर पल बेहद की सेवा में व्यस्त रहते हैं ।

❋ सदा अलर्ट रहने से हम कभी किसी को मनसा, वाचा, कर्मणा दुःख नहीं देंगे।

❋ अलर्ट रहने से हमारा स्व पर कण्ट्रोल रहता है जिससे हम सभी के प्रति शुभ भावना रख सबको संतुष्ट कर सकते है।

❋ अलर्ट रहने से आलस्य व अलबेलापन मुक्त रहेंग जिसस सर्व के सहयोगी बन जायेंगे।

❋ अलर्ट रहने से सभी की अवाश्यक्ताओ को बिना कहे पहले से समझ जायेंगे ओर उन्हें उसी चीज की उसी अनुसार पूर्ति कर पाएंगे।

∬7∬ ज्ञान मंथन (स्लोगन) (Marks:-10)

➢➢ मुरलीधर की मुरली पर देह की भी सुध- बुध भूलने वाली सच्ची गोप गोपियाँ बनने के लिए हमें विशेष रूप स्व किन धारणाओं / नियमों का पालन करना चाहिए?

❋ सच्ची गोपियाँ बनने के लिए आत्मिक रूप में स्थित होकर मुरली सुननी चाहिए।

❋ सच्ची गोपी के मन में सदा रहता है बाबा मेरे लिए ही परमधाम से आकर मुरली सुना रहे है।

❋ अपने वर्से को याद कर अन्दर ही अन्दर ख़ुशी के गीत गाते रहना चाहिए।

❋ देवी गुणों की धारणा से संतुष्ट रहकर गुप्त में रूहानी ख़ुशी रहनी चाहिए।

❋ मुरली सुनते -सुनते मुरली का स्वरूप् बन बाबा के प्यार में समा कर रूहानी ख़ुशी मे रहें।

❋ पवित्रता की धारणा से बाबा के प्यार में सुधबुद्ध भूल जाती है।

⊙_⊙ आप सभी बाबा के प्यारे प्यारे बच्चों से अनुरोध है की रात्रि में सोने से पहले बाबा को आज की मुरली से मिले होमवर्क के हर पॉइंट के मार्क्स ज़रूर दें ।

♔ ॐ शांति ♔